Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to implement the concept of 'One Health'.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका वाकई में आभारी हूं कि मेरे जैसे यंग को आपने काफी सीनियर लोगों से पहले बोलने का वक्त दिया है। यह निश्चित तौर से आपका मेरे प्रति स्नेह है। मैं यहां 'वन हेल्थ' की बात करना चाहता हूं।

माननीय सभापति: आप बिल्कुल युवा लगते हैं।

श्री जगदम्बिका पाल: जी, धन्यवाद। मैं इसीलिए बैठा था।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से 'वन हेल्थ' के कॉन्सेप्ट की बात करना चाहता हूं। जिस तरीके से कोविड-19 चीन के वुहान के फिश मार्केट से निकला और आज चाहे डब्ल्यू.एच.ओ. हो या अन्य लोग हों, वे आज इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि यह चमगादड़ से या किस तरह से फैला, तो मैं यह कहना चाहता हूं कि यह कोई पहली बीमारी नहीं है। इसके पहले स्वाइन फ्लू भी पिग्स से आया। बर्ड फ्लू भी पक्षियों से आया। एच1एन1 भी आया। वाटर-बोर्न डिजीज है। चाहे जापानी इंसेफ्लाइटिस हो या एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिन्ड्रोम हो या एच5एन1 हो, इसे जूनॉटिक कहते हैं। इसका मतलब कि जानवरों से आदमी में जो संक्रमण हो रहा है, इस तरह की हमने कोविड-19 की कल्पना भी नहीं की थी। निश्चित तौर पर, अब हमें केवल अपने स्वास्थ्य की चिंता नहीं करनी होगी, बल्कि फिश मार्केट, मीट मार्केट को भी रेगुलेट करने की जरूरत पड़ेगी। अगर आप उस मार्केट में जाएं तो आप देखेंगे कि वह कितना अन-हाइजेनिक है। अगर आप उस मार्केट के बगल से भी गुजरिए तो यह स्वाभाविक है कि वे संक्रमण को परोस रहे हैं और किस तरह से यह संक्रमण घातक हो रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अब हमें केवल इंसान ही नहीं, बल्कि जानवरों की भी, चाहे किसान की फसल हो, सब्जियां हों, फल हों, उनकी भी चिंता करनी पड़ेगी। इस 'वन हेल्थ' के कॉन्सेप्ट की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। मुझे लगता है कि यह वक्त का तकाजा है और मैं सरकार से चाहूंगा कि इस 'वन हेल्थ' के कॉन्सेप्ट पर काम किया जाए।

माननीय सभापति:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।